राष्ट्रीय सहारा

12/03/2022 कानपुर

राई, सरसों का उत्पादन बढ़ाने को प्रशिक्षित किये जा रहे कृषि प्रसारकर्मी

कानपुर। नई तकनीकी विधियों से राई-सरसों का उत्पादन वढ़ाने के लक्ष्य को लेकर सीएसए कृषि विवि के प्रसार निदेशालय में कृषि प्रसार कर्मियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को आरंभ किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विवि के निदेशक शोध डॉ.करम हुसैन एवं विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ.धर्मराज सिंह व निदेशक प्रसार डॉ.एके सिंह ने प्रसार कर्मियों को प्रशिक्षण प्राप्त कर किसानों के लाभार्थ कार्य करने को प्रेरित किया। परियोजना के लीडर डॉ.अशोक शर्मा ने ऑनलाइन भागीदारी की। डॉ.सीपी सचान के संचालन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर के राई सरसों शोध निदेशालय, भरतपुर (राजस्थान) निदेशक डॉ.पीके राय की पहल पर विवि के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभागाध्यक्ष डॉ.महक सिंह के संयोजन में किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन डॉ.धर्मराज सिंह, डॉ.महक सिंह, डॉ.सीपी सचान एवं डॉ.वाईपी मलिक ने व्याख्यान दिये। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हरदोई के कृषि विभाग के प्रसार कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

सीएसए में कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

कानपुर, 11 मार्च। राई सरसों की नई तकनीकी विधियों से उत्पादन बढ़ाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ पीके राय राई सरसों शोध निदेशालय सेवर भरतपुर (राजस्थान)के निर्देशन में विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफ़ेसर महक सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक शोध डॉ करम हुसैन एवं विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ ए.के. सिंह उपस्थित रहे। जबकि प्रसार के परियोजना लीडर डॉ अशोक शर्मा ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रतिभाग किया। प्रथम दिन विख्यात वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिये।

दैनिक जागरण कानपुर 12/03/2022

कृषि विज्ञान केंद्रों में बनेगा जैविक और प्राकृतिक खेती का माडल

तैयारी

- सीएसए विवि के 14 केवीके में जुलाई तक तैयार होगी रूपरेखा
- जीवामृत, बीजामृत और वर्मी कंपोस्ट से होगा बीजों का उत्पादन

जासं, कानपुर : किसानों को जैविक व प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अपने अधीन संचालित सभी 14 कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती का माडल तैयार करेगा। वैज्ञानिक इस खेती में प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करेंगे। साथ ही जीवामृत, बीजामृत, घनामृत, नीमास्त्र और वर्मी कंपोस्ट विधियों से उत्पादन होगा। जुलाई तक माडल तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है।

केंद्र सरकार पूरे देश में जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। पिछले माह बजट में भी इस बिंदु पर चर्चा हुई थी और गंगा किनारे जैविक व प्राकृतिक खेती कराने पर जोर दिया गया था। इसी कड़ी में सीएसए विवि ने कार्ययोजना बनाई है। सीएसए विवि के प्रसार निदेशालय के समन्वयक डा. एके सिंह ने बताया कि हर कृषि विज्ञान केंद्र में एक एकड़ क्षेत्रफल में प्राकृतिक व जैविक खेती का माडल विकसित कराने का निर्देश दिया है।

अमर उजाला कानपुर 12/03/2022

बीज बोने से पहले शोधन जरूरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में शुक्रवार को राई-सरसों का नई विधियों से उत्पादन करने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन के विभागाध्यक्ष प्रो. महक सिंह ने बताया कि बीज बोने से पहले शोधन जरूरी है। इस मौके पर डॉ. धर्मराज सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. सीपी सचान आदि मौजूद रहे। (संवाद)

...विश्व के एक शानदार क्रूज लाइन, कार्निवल क्रूज में हुआ है।

हिंदुस्तान कानपुर 12/03/2022

कार्यशाला में नई तकनीक से खेती की सलाह दी

कानपुर। सीएसए में शुक्रवार से राई व सरसों की नई तकनीक विधियों से उत्पादन बढ़ाने को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. पीके राय के निर्देशन में प्रो. महक सिंह ने किसानों को जानकारी दी किसानों को नई तकनीक के बारे में जानकारी देते हुए खेती में इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। संचालन डॉ. सीपी सचान ने किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 13 अंक: 249 कानपुर, शनिवार 12 मार्च, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

swaroop.in

नेपाल के तीन हजार वंचित परिवारों को गैस सिलेंडर देगा भारत 10

कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर । राई सरसों की नई तकनीकी विधियों से उत्पादन बढ़ाने के लिए 11 से 12 मार्च 2022 दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सीएसए के प्रसार निदेशालय में प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ पीके राय राई सरसों शोध निदेशालय सेवर भरतपुर (राजस्थान)के निर्देशन में विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफ़ेसर महक सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ करम हुसैन एवं विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ ए.के. सिंह उपस्थित रहे।जबकि प्रसार के परियोजना लीडर डॉ अशोक शर्मा ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सीपी सचान द्वारा किया गया। प्रथम दिन यानी आज विख्यात वैज्ञानिकों के व्याख्यान किए गए। जिसमें डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉक्टर महक सिंह,डॉ सी पी सचान एवं डॉ वाई पी मलिक द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद हरदोई के कृषि विभाग के प्रसार कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक -138
शनिवार, 12 मार्च 2022
पृष्ठ-12
मूल्य-3 रुपये
आगरा, गोरखपुर, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

Azadi Ka Amrit Mahotsav

दैनिक भास्कर

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

For epaper : www.dainikbhaskarup.com

12

कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर। राई सरसों की नई तकनीकी विधियों से उत्पादन बढ़ाने के लिए 11 से 12 मार्च 2022 दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सीएसए के प्रसार निदेशालय में प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ पीके राय राई सरसों शोध निदेशालय सेवर भरतपुर (राजस्थान)के निर्देशन में विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन के विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रोफ़ेसर महक सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ करम हुसैन एवं विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह, निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ ए.के. सिंह उपस्थित रहे।जबकि प्रसार के परियोजना लीडर डॉ अशोक शर्मा ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सीपी सचान द्वारा किया गया। प्रथम दिन यानी आज विख्यात वैज्ञानिकों के व्याख्यान किए गए। जिसमें डॉक्टर धर्मराज सिंह, डॉक्टर महक सिंह,डॉ सी पी सचान एवं डॉ वाई पी मलिक द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद हरदोई के कृषि विभाग के प्रसार कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

अमर उजाला कानपुर 12/02/2022

किसान कम लागत वाली जैविक खेती करना सीखेंगे

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध 13 जिलों के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में जैविक खेती का मॉडल विकसित किया जाएगा। इस मॉडल से केवीके के वैज्ञानिक किसानों को कम लागत में जैविक खेती करना सिखाएंगे। सीएसए के प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. एके सिंह ने बताया कि हर केवीके के एक एकड़ भाग में इस मॉडल को विकसित किया जाना है। डॉ. खलील खान ने बताया कि जैविक खेती से उर्वरक क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। (संवाद)